मन फूला फूला फिरे

मन फूला फूला फिरे,
जगत में कैसा नाता रे ॥
मन फूला फूला फिरे,
जगत में कैसा नाता रे ॥

माता कहे यह पुत्र हमारा,
बहन कहे बीर मेरा,
भाई कहे यह भुजा हमारी,
नारी कहे नर मेरा,
जगत में कैसा नाता रे ॥

मन फूला फूला फिरे,
जगत में कैसा नाता रे ॥

पेट पकड़ के माता रोवे,
बांह पकड़ के भाई,
लपट झपट के तिरिया रोवे,
हंस अकेला जाए,
जगत में कैसा नाता रे ॥

मन फूला फूला फिरे,
जगत में कैसा नाता रे ॥

जब तक जीवे माता रोवे,
बहन रोवे दस मासा,
तेरह दिन तक तिरिया रोवे,
फेर करे घर वासा,
जगत में कैसा नाता रे ॥

मन फूला फूला फिरे,
जगत में कैसा नाता रे ॥

चार जणा मिल गजी बनाई,
चढ़ा काठ की घोड़ी,
चार कोने आग लगाई,
फूंक दियो जस होरी,
जगत में कैसा नाता रे ॥

मन फूला फूला फिरे,
जगत में कैसा नाता रे ॥

हाड़ जले जस लाकड़ी रे,

केश जले जस घास,
सोना जैसी काया जल गई,
कोइ न आयो पास,
जगत में कैसा नाता रे ॥

मन फूला फूला फिरे,
जगत में कैसा नाता रे ॥

घर की तिरिया ढूंढन लागी,
ढुंडी फिरि चहु देशा,
कहत कबीर सुनो भई साधो,
छोड़ो जगत की आशा,
जगत में कैसा नाता रे ॥

मन फूला फूला फिरे,
जगत में कैसा नाता रे ॥
मन फूला फूला फिरे,
जगत में कैसा नाता रे ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20148/title/man-phula-phula-phire

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |